



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 437]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 12, 2004/वैशाख 22, 1926

No. 437]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 12, 2004/VAISAKHA 22, 1926

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 मई, 2004

का.आ. 568(अ).—केन्द्रीय सरकार, आयुध अधिनियम, 1959 (1959 का 54) की धारा 41 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के गृह मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 667(अ) तारीख 12 सितम्बर, 1985 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, क्रम सं. 2, 3 और 4 के सामने—

(1) मद (i) से (iv) तक में विनिर्दिष्ट आयुधों के प्रवर्गों/वर्णनों के सम्बन्ध में स्तम्भ 4 के अधीन,—

(क) मद (i) से (iv) तक प्रत्येक के सामने प्रारम्भ में निम्नलिखित शब्द अंतःस्थापित किए गए जाएंगे, अर्थात् :—

“छूट प्राप्त शस्त्रों की संख्या, उस खेल/प्रवर्ग के सम्बन्ध में जिसमें निशानेबाज ने ख्यातिप्राप्त परास्थिति प्राप्त की है उन शस्त्रों की संख्या के अतिरिक्त जिन्हें वह आयुध अधिनियम, 1959 के उपबंधों के अनुसार सामान्य नागरिक के रूप में रखने के लिए हकदार है, शस्त्रों की कुल सीमा के अधीन रहते हुए, चार से अधिक नहीं होगी”

(ख) मद (i) से मद (iv) तक प्रत्येक के सामने अन्त में निम्नलिखित टिप्पण अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“टिप्पण : उस दशा में जहां निशानेबाज दो से अधिक खेलों में ख्यातिप्राप्त है उन शस्त्रों की कुल संख्या जिन्हें ऐसे ख्यातिप्राप्त निशानेबाज रख सकता है दस से अधिक नहीं होगी”;

(2) मद (v) में विनिर्दिष्ट आयुधों के प्रवर्गों/वर्णन के संबंध में, स्तंभ 4 के अधीन, मद (i) और मद (iii) तथा उनसे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर भी क्रमशः निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(i) छूट प्राप्त शस्त्रों की कुल संख्या प्रत्येक ट्रैप, स्कीट और डबल ट्रैप शूटिंग के लिए चार बंदूकों से अधिक नहीं होगी।

(ii) ऐसा कोई व्यक्ति जो केवल स्कीट शूटिंग में या केवल ट्रैप शूटिंग में या डबल ट्रैप शूटिंग में सक्षम है वह उस विशिष्ट खेल में जिसमें उसने सक्षमता प्राप्त की है केवल चार बंदूकों के लिए हकदार होगा।”

[सं. वी-11015/6/99-आम्स]

राकेश, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण : मूल अधिसूचना का.आ. 667(अ), तारीख 12 सितम्बर, 1985 का संशोधन का.आ. 831(अ), तारीख 2 अगस्त, 2002 द्वारा किया गया था।

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 12th May, 2004

S.O. 568(E).—In exercise of the powers conferred by Section 41 of the Arms Act, 1959 (54 of 1959), the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs number S.O. 667(E) dated 12th September, 1985, namely :—

In Schedule to the said notification, against serial numbers 2, 3 and 4—

(1) in respect of the categories/descriptions of arms specified at items (i) to (iv), under column 4,—

(a) against the items (i) to (iv) each, the following words shall be inserted at the beginning, namely :—

“The total number of weapons exempted shall not exceed four in respect of the event/category in which the shooter has attained renowned status in addition to the number of weapons he is entitled to possess as a normal citizen as per provisions of the Arms Act, 1959, subject to overall ceiling of ten weapons”

(b) against the items (i) to (iv) each, the following Note shall be inserted at the end, namely,

“Note : In case a shooter is renowned in more than two events, the total number of weapons such renowned shooter can possess shall not exceed ten”;

(2) in respect of categories/descriptions of arms specified at item (v), under column 4, for items (i) and (iii) and also entries thereto, the following shall be substituted respectively, namely :—

“(i) The total number of weapons exempted shall not exceed four guns each for Trap, Skeet and Double Trap shooting.

(ii) A person competent only in Skeet shooting or only in Trap shooting or in Double Trap shooting shall be entitled to four guns only for the particular event in which he has attained the competence.”

[No. V-11015/6/99-Arms]

RAKESH, Jt. Secy.

Footnote : The principal notification S.O. 667(E) dated the 12th September, 1985 was amended vide S.O. 831(E) dated the 2nd August, 2002.